buoyancy of State revenues. The Committee has submitted its report to the Government and further necessary action has already been initiated.

राजस्थान में रामपुरा-अगूचा खान की क्षमता

4397. **श्री ओंकार सिंह लखावत: क्या इस्पात और खान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1997-98 के दौरान राजस्थान में रामपुरा-आगूचा खान के संयंत्र की प्रति दिन क्षमता को किस सीमा तक बढ़ाया गया है और उसके क्या परिणाम निकले हैं;

(ख) क्या राजस्थान में एक नया "जिंक स्मैल्टर" स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है तथा उसकी लागत और उत्पादन क्षमता क्या होगी; और

(ग) "खनिज जिंक भंडार" के हवाई सर्वेक्षण संबंधी कार्य की किस सीमा तक पूरा कर लिया गया है और बाकी बचे कार्य को कब तक पूरा कर लिये जाने की संभावना है?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस): (क) राजस्थान में रामपुरा-अगूचा खान स्थित अयस्क सज्जीकरण संयंत्र की क्षमता नवम्बर, 1997 में 3000 टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 4500 टन प्रतिदिन कर दी गई है। नवम्बर, 1997 से 31 मार्च, 1998 तक का औसत उत्पादन 3400 टन प्रतिदिन रहा।

(ख) सरकार ने हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा स्थापित किए जाने वाले एक नये जस्ता प्रगालक के लिए प्रौद्योगिकी आर्थिक साध्यता रिपोर्ट को तैयार करने के बारे में मंजूरी दे दी है जिसकी उत्पादन क्षमता 60,000 टन से 1,00,000 टन प्रतिवर्ष होगी। इस नए जस्ता प्रगालक को स्थापित करने की सही लागत इस समय बता पाना संभव नहीं है।

(ग) हवाई सर्वेक्षण 17 नवम्बर, 1997 को शुरू किया गया था जो 13 अप्रैल, 1998 को पूरा हो गया। आंकड़ों का संसाधन/व्याख्या तथा जमीनी जांच संबंधी कार्य इस समय प्रगति पर हैं। हवाई सर्वेक्षण के संबंध में आंकड़ों को संसाधित करने का कार्य इस वर्ष के अंत तक पूरा हो जाने की आशा है।

इस्पात की कीमतों में वृद्धि

4398. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी:**
श्री गोविन्दराम मिरी:

क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस्पात की कीमतों में वृद्धि के क्या कारण हैं और इसका उत्पादन और मांग पर क्या प्रभाव पड़ेगा;

(ख) क्या सरकार "सेल", "एस्सार", "टिस्को" और निजी क्षेत्र में किन्हीं अन्य इस्पात कंपनियों के उत्पादों की कीमतें कम करने का विचार रखती हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस संबंध में कोई सकारात्मक कार्यवाही करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस): (क) और (ख) जनवरी 1992 में इस्पात का नियंत्रण समाप्त करने की मांग, उत्पादन और मूल्य बाजार ताकतों द्वारा शासित होते हैं। प्रमुख उत्पादकों द्वारा उत्पादित इस्पात का मूल्य निर्धारित करने में सरकार की कोई भूमिका नहीं है। गौण उत्पादक 1992 से पहले भी, अपने मूल्य स्वंय निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र थे। इस्पात के खुले बाजार मूल्यों में विगत एक वर्ष में कोई अधिक वृद्धि नहीं हुई। इसका कारण यह है कि बाजार इस्पात की उच्च लागत को कायम रखने में सक्षम नहीं है।

(ग) और (घ) उपरोक्त (क) और (ख) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

Performance of SAIL

4399. **SHRI GURUDAS DASGUPTA:**
SHRI GAYA SINGH:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state;

(a) whether SAIL's performance during 1996-97 and 1997-98, shows continuous downslide in profitability;

(b) if so, how does it compare with the performance of other major steel plants in the country;

(c) whether Government have conducted any study to understand the reasons behind the downslide of the public sector Navaratna; and

(d) whether lack of leadership and directions are among the many causes?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI RAMESH BAIS): (a) and (b) The profits of Steel Authority of India Limited (SAIL) have decreased during 1996-97 and 1997-98. In the other major Integrated Steel Plants, viz., Rashtriya Ispat Nigam Ltd. (RINL) and Tata Iron & Steel Company (TISCO), RINL has registered an increase in losses and TISCO has